Class- IX

हम बीमार क्यों होते है।

{ WHY DO WE ILL? }

1. स्वास्थ्यः– स्वास्थ्य वह अवस्था है जिसके सामाजिक कार्य समुचित क्षमता से उचित प्रकार किया जा सके।
2. रोग (Disease) का अर्थ शरीर में कुछ न कुछ गड़बडी से है जिससे हम अस्वस्थ महसूस करते है। रोग जल द्वारा, वायु द्वारा व आहार द्वारा होते है कुछ रोग सूक्ष्मजीवों, कृमियों और परजीवी के संक्रमण द्वारा उत्पन्न होते है। रोग उत्पादक जीव जीवाणु, विषाणु, कवक, मोटोजोआ आदि है।
3. रोग के श्रोत (Source of Disease)–मानव स्वास्थ्य अनेक कारणो द्वारा प्रभावित होता है ये कारक निम्नलिखित है।

(अ) आन्तरिक कारक (Internal Factors) रोग उत्पादक कारक जो मानव शरीर के भीतर उपस्थित रहते है आन्तरिक कारक कहलाते है जैसेः– हृदय, वक्क, यकृत इत्यादि की अनुपयुक्त किया।

उदाहरणः– हृदयघात, हीमोफिलिया, अस्थमा, आर्थाराइटिस, कैंसर आदि।

(ब) बाह्य कारक (External Factors) रोग उत्पादक कारक जो मानव शरीर में बाहर से प्रवेश करते है। बाह्य कारक कहलाते है जो निम्नलिखित है।

1. असंतुलित आहार
2. रोग उत्पन्न करने वाले सूक्ष्मजीवी
3. वातावरणीय प्रदूषण
4. मादक द्रव्य (तम्बाकू, ऐल्कोहॉल आदि)

उदाहरण– रतौधी, स्कर्वी, एड्स, डायरिया, मलेरिया, हैजा, खसरा, चेचक, तपेदिक, पीलिया, पेचिश, त्वचा रोग आदि।

Made By :-Pushpa Khati,G.I.C.Patharkhani,Pithoragarh

बीमारियों के प्रकार (TYPES OF DISEASES) ये निम्नलिखित है।

1. न्यूनकालिक रोग (Acute Disease) जो रोग शरीर पर अचानक प्रभाव डालते है न्यूनकालिक रोग कहलाते है। जैसे– साधारण सर्दी जुकाम
2. दीर्घ कालिक रोग (Chronic Disease) जो बीमारियॉ लम्बे समय तक रहती है उन्हे दीर्घकालिक रोग कहते है जैसे– तपेदिक, फीलपॉव।

संचरण तथा असंचरणीय रोग

1. संचरणीय रोग (Infectious Disease) ये रोग कुछ जैव कर्मको जैसे वायरस, बैक्टीरिया, प्रोटोजोआ, कवक आदि के द्वारा उत्पन्न होते है संक्रामक रोग विभिन्न तरीको जैसे जल, वायु, भोजन और रोगवाहको द्वारा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति मे फैल सकते है। संक्रामक रोग, रोगी व्यक्ति से स्वस्थ व्यक्ति में संचारित होते है वे संचरणीय रोग कहलाते है।
2. असंचरणीय या असंक्रामक रोग (Non- Infectious Disease) ये रोग परजीवी के कारण पोषक तत्वों की कमी या उपापचयी गलतियों के कारण होते है ये रोग रोगी व्यक्ति से स्वस्थ व्यक्ति मे नही फैलते
   उदाहरण– मधुमेह, घेंघा, सूखा रोग, मैरेस्मस, क्वाशियोकार आदि।

हीनताजन्य रोग–

सन्तुलित एवं पर्याप्त आहार उपलब्ध न होने के कारण कुछ रोग या विकार उत्पन्न हो जाते है इन्हे हीनता जन्य रोग कहते है।

जैसे– अपक्तता (ऐनेमिया) बेरी–बेरी, स्कर्वी आदि।

कुछ रोग व उनके कारण जीव

रोग	कारक जीव
1. मलेरिया	प्लाज्मोडियम, प्रोटोजोआ परजीवी
2. रैबीज	रैबीज विषाणु
3. इन्फ्लुएन्जा	मिक्सोवाइरस इन्फ्लुएन्जाई
4. क्षय रोग	माइकोबैक्ट्रीरियम ट्यूबरकुलोसिस
5. टाइफॉइड	साल्मोनेला टाइफी
6. पोलियो	पोलियो माइलाइटिस

ladzked jksxks ds QSyus ds rjhds

संक्रामक रोग विभिन्न विधियो द्वारा एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे सामान्य व्यक्ति तक फैलते है।

1. वायु द्वारा– निमोनिया, खॉसी, जुकाम, क्षय रोग का संक्रमण वायु द्वारा होता है। खॉसते, छीकते समय रोगी के नाक मुँह से निकली छोटी बूँदे तेजी से बाहर निकल कर समीप खडे व्यक्ति के शरीर मे श्वास के साथ प्रवेश कर जाते है। अधिक भीड– भाड वाले इलाके मे वायु द्वारा फेलने वाले रोगों के संक्रमण की सम्भावना रही है।
2. जल द्वारा– रोगी के अपशिष्ट पेयजल में मिल जाने से जल संक्रमित हो जाता है। संक्रमित जल के उपयोग से रोगाणु स्वस्थ व्यक्ति के शरीर मे पहुॅच कर उसे रोगी बना देते है। हैजा, पोलियो, अतिसार, पेचिश आदि के रोगाणु जल द्वारा फैलते है।
3. लैंगिक सम्पर्क द्वारा– इन रोगो को लैंगिक सम्बन्धो द्वारा संचारित रोग ";ज्व्द्ध कहते है। ये यौन सम्बन्धों द्वारा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहॅचते है जैसे– ;।प्वैद्ध सिकलिस आदि।
4. कीटो द्वारा– अनेक रोगो के रोगाणुओ को कीट (मक्खी, मच्छर, खटमल, पिस्सु) संचारित करते है। जैसे– मलेरिया, टाइफॉइड, फाइलेरिएसिस आदि।

Made By :-Pushpa Khati,G.I.C.Patharkhani,Pithoragarh

5. सामान्य सम्पर्क द्वारा– अनेक रोग के रोगाणु सम्पर्क द्वारा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति मे पहुॅचकर रोग उत्पन्न करते है जैसे– रिगवर्म (दाद, खाज, खुजली) पायरिया आदि।

6. संक्रमित जन्तुओं द्वारा– अनेक रोग संक्रमित जन्तुओ द्वारा फैलते है। जैसे– संक्रमित कुत्ते, बिल्ली, बन्दर द्वारा रैबीज चूहों द्वारा प्लेग रोग आदि।

vH;kl i: u

प्रश्न–1. संचरणीय तथा असंरणीय रोगो मे अंतर कीजिये?

प्रश्न–2. हीनताजन्य रोग किसे कहते है?

प्रश्न–3. रोग क्या है?

प्रश्न–4. संक्रामक रोग फैलने की विभिन्न विधियॉ कौन–कौन सी है?

प्रश्न–5. टाइफॉइड रोग के रोगाणु का नाम लिखिए?

प्रश्न–6. वायु द्वारा फैलने वाले विषाणु जनित रोग का नाम लिखिए?

प्रश्न–7. बीमारियों के प्रकार लिखिए?

प्रश्न–8. प्रतिरक्षीकरण क्या है?

1. टीकाकरण द्वारा संक्रामक रोगो का निवारण किया जा सकता है।
2. संक्रामक रोगो से बचने के लिए स्वच्छता आवश्यक है।
3. टीकाकरण द्वारा विभिन्न संक्रामक रोगो से सुरक्षा प्रदान की जा सकती है। जैसे– चेचक, पोलियो, काली खॉसी, डिप्थीरिया, टिटनैस आदि।
4. संक्रामक रोगो के निवारण को प्रभावशाली बनाने के लिए पौष्टिक सन्तुलित आहार, सार्वजनिक स्वच्छता तथा टीकाकरण की सुविधा सभी को उपलब्ध होनी आवश्यक है।

Made By :-

Made By :-Pushpa Khati,G.I.C.Patharkhani,Pithoragarh

Pushpa Khati
G.I.C.Patharkhani
Pithoragarh